

## असाधारण EXTRAORDINARY

भाग 11—क्षत्र 3—उप-क्षत्र (ii) PART II—Section 3—Sub-section (ii)

# प्राधिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

सं॰ 440]

नई विस्त्री, मंगलवार, सितम्बर 11, 1984/मात्र 20, 1906

No. 4401

NEW DELHI, TUESDAY, SEPTEMBER 11, 1984/BHADRA 20, 1906

### इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या की जाती है जिससे कि यह जनग संकलन के रूप में रक्ता का सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

#### उद्योग मंत्रालय

(भौद्योगिक विकास विभाग)

नई दिल्ली 11 सितम्बर 1984

#### भावेश

का. था. 691 (घ) .— केन्द्रीय सरकार विकास परिषद् (प्रकि-यारमक) नियम 1952 के नियम 4 भीर 5 के साथ पठित उद्योग (विकास भीर विनियमन) भिंधनियम, 1951 (1951 का 65) की घारा 6 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग भरते हुए निम्नलिखित व्यक्तियों को तरकाल प्रभावी रूप में दो वर्ष की भविध के लिए पोत निर्माण, पोत मरम्मत भीर भानुषंगिक मयों के विनिर्माण में लगे हुए भनुसूचित उद्योगों की विकास परिषद् का सवस्य नियुक्त करती है।

पोत निर्माण, पोत मरम्मत ग्रीर भनुषंगी मवें

1. सचिव नौबहन भीर परिवहन मंत्रालय	स्रष्ट्यक्ष
2. सचिव रक्षा उत्पादन विभाग या उसका नामनिर्वेशिती	सदस्य
3. महानिवेशक, तकनीकी विकास या उसका नामनिर्देशिती	सदस्य
4. विक्रांस मागुक्त (लघु उद्योग) या उसका नामनिर्दे-	
<b>गिती</b>	सदस्य
<ol> <li>महानिदेशक नौबह्म या उसका नामनिर्देशिती</li> </ol>	सदस्य

<ol> <li>भ्रष्टयक्ष भौर प्रबंध निवेशक हिन्दुस्तान शिपयाई लिमिटेड</li> </ol>	सवस्य
8. घष्ट्यक्ष भीर प्रबंध निवेशक सजगांव बाक लिमिटेड	सवस्य
9. इंडियन पोर्टस एसोसिएशन का एक प्रतिनिधि	सदस्य
<ol> <li>इंडियन नेशनल शिपम्रोनसं एसोसिएशन का एक प्रति- निधि</li> </ol>	सदस्य
11. प्सोसिएशन माफ इंडियन इंजीनियरिंग इन्डस्ट्री (एस बी घारए डिवीजन) काएंक प्रतिनिधि	सदस्य
12. मानुषंगिक उद्योगों का एक प्रतिनिधि	सवस्थ
<ol> <li>प्राइवेट सेन्टर में पोत भरम्मत याखीं का एक प्रति- निधि</li> </ol>	सवस्य
<ol> <li>विकास सलाहकार ( पोत निर्माण भीर पोत मरम्भत) नौबहन भौर परिवहन मंत्रालय</li> </ol>	सवस्य
15. संयुक्त समिव (नौबहन) नौबहन भौर परिबहन मंत्रालय	सदस्य-सिवव

विकास परिषव् के ह्रत्य वे होंगे जो उद्योग (विकास और विनियमन)

6. मध्यक्ष भीर प्रबंध निवेशक भारतीय नौबहस निगम

भिधिनियम 1951 की दूसरी भनुसूची में प्रगणित हैं।
[फा. सं. 1/6/84-एल. पी.]
बी. के. कानना, संयुक्त सचिव

सदस्य

#### MINISTRY OF INDUSTRY

(Department of Industrial Development)

#### ORDER

New Delhi, the 11th Sept. 1984

S.O. 691(E).—In exercise of the powers conferred by section 6 of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), read with rules 4 and 5 of the Development Councils (Procedu al) Rules, 1952, the Central Government hereby appoints, for a period of two years with immediate effect the following persons to be m mbers of the Development Council for the Scheduled Industries engaged in Shipbuilding, Ship-repairs and manufacture of Ancillary Items.

ent Council for Shipbuilding, Ship-repairs and
Ancillary Items

etary,
priment of Defence Production
or his nominee.

Chairman
Chairman
Chairman
Chairman
Chairman
Chairman
Chairman
Chairman
Chairman

- 3. Director General of Technical Development or his nominee. Member
- 4. Development Commission (Small Scale Industries) or his nominee. Member
- 5. Director General of Shipping or his nominee Member

<ol><li>Chairman and Managing Director, Shipping Corporation of India.</li></ol>	Membor
<ol> <li>Chairman and Managing Director, Hindustan Shipyard Limited.</li> </ol>	Member
<ol> <li>Chairman and Managing Director, Mazagon Dock Limited,</li> </ol>	Member
<ol> <li>A representative of Indian Ports Association</li> </ol>	Member
<ol> <li>A rep!esentative of Indian National Shipowners Association</li> </ol>	<b>Me</b> mber
11. A representative of Association of Indian Engineering Industry, (SBRA) Division)	Member
12. A representative of ancillary industries	Member
13. A representative of Ship-repair yards in the Private Sector.	Member
14. Development Adviser (Shipbuilding and Shiprepair), Ministry of Shipping and Transport.	Member
<ol> <li>Joint Secetary (Shipping)         Ministry of Shipping and Transport.     </li> </ol>	Member Secretary.

The functions of the Development Council shall be those as enumerated in the Second Schedule to the Industries (Development and Regulation) Act, 1951.

[No. 1/6/84-L**P**]

V.K. CHANANA, Jt. Sccy